चौघड़िया मुहूर्त ज्योतिष की एक ऐसी तालिका है जो कि खगोलिय स्थिति के आधार पर दिन के 24 घंटों की दशा बताती है. जब कभी शीघ्रता में कोई मुहूर्त नहीं मिलता हो और अचानक कोई शुभ कार्य आरम्भ करना पड़े तो, उस समय चौघड़िया मुहूर्त का उपयोग करना श्रेयस्कर रहता है. चौघड़िया मुहूर्त मुख्यतः 7 प्रकार के होते हैं जो कि क्रमशः उद्योग, अमृत, रोग, लाभ, शुभ, चर और काल हैं.

किस चौघड़िया मुहुर्त का प्रयोग कब करें? (When to Use Which Chaughadia Muhurat)
उद्योग काल मूहुर्त के लिये बुरा समझा जाता है, अमृत को अच्छा, रोग को बुरा, लाभ को फिर अच्छा समझा जाता है, शुभ भी अच्छा समझा जाता है। चर को मध्यम माना जाता है तथा काल बुरे समय काल में आता है।

चौघड़िया के प्रकार (Types of Chaughadia)

चौघड़िया के सात प्रकार जो दिन और रात्रि में बाँटे जा सकते निम्न प्रकार से हैं:

उधोग
अमृत
रोग
लाभ
शुभ
चर
काल

शुभ काल के मूहुर्त समय को अच्छे कामों के लिये लिया जाता है परन्तु जो काम शुभ हों तथा जिन्हें आरम्भ करना हो उन्हे बुरे समय काल में आरम्भ नहीं करना चाहिए। चर काल समय यात्रा आदि के लिये विशेष रुप से अच्छे समझे जाते हैं।

इन मूहुर्तों पर शुभ तिथि, नक्षत्र, करण व वार तथा दिन में बनने वाले अन्य योगों का भी प्रभाव पडता है। जैसे: सभी नक्षत्रों में से पुष्य नक्षत्र को ज्योतिष शास्त्र में सभी शुभ कामों के लिये बेहद शुभ माना जाता है। इस नक्षत्र के समय में अगर अमृत काल का समय भी हो तब तो सोने पे सुहागा हो जाता है।

चौघड़िया शहर के हिसाब से परिवर्तित होता रहता है क्योंकि इसकी गणना सूर्योदय के समय पर आधारित होती है।

चौघड़िया मुहूर्त (chaughadia Muhurta) निकालने के लिये चौघड़िया मुहूर्त चक्र (chaughadia Muhurta Chakra) का प्रयोग किया जाता है। जिससे सरलता से दिन-रात्रि के शुभ व अशुभ समय का आंकलन किया जा सकता है।

चौघड़िया मूहुर्त का महत्व (Importance of chaughadia Muhurat)

चौघड़िया का प्रयोग किसी शुभ काम या नई योजना को शुरु करने के लिये किया जाता है, जैसे: नये व्यापार या व्यवसाय को आरम्भ करने, यात्रा करने आदि के लिये चौघड़िया मूहुर्त का प्रयोग किया जा सकता है। चौघड़िया मुहुर्त द्वारा अनेक प्रकार के मूहुर्त निकाले जाते है और उद्देश्य के अनुसार उन्हे ज्ञात किया जाता है.
कुछ साधारण मूहुर्त हैं जिन्हे सामान्य कामों के लिये प्रयोग किया जाता है. जिनमें: वस्त्र धारण, हल चलाना, धान्य छेदन आदि मुख्य हैं तो कुछ तिथियों व वारों से जुडे हैं। कुछ मूहुर्तो का प्रयोग वस्तु क्रय-विक्रय, ऋण के लेन-देन, दूकान करने, भूमि लेने इत्यादि के लिए किया जाता है। व्यक्ति के सोलह संस्कारों से भी सोलह मुहूर्त जुडे हैं। ग्रह मूहुर्त, वर्षा मूहुर्त, यात्रा आदि से जुडा मूहुर्त है। और भी अनेक प्रकार के मूहुर्त हैं जिनका प्रयोग समय

समय पर किया जाता है।

मूहुर्त की गणना करना (How to Calculate Chaughadia Muhurta)

चौघड़िया मूहुर्त (Chaughadia-muhurtas) को ज्ञात करने के लिये एक दिन के 24 घण्टे के समय को 16 भागों में बांट दिया जाता है जिसका एक भाग लगभग डेढ़ घण्टे का होता है। ज्ञात समय के प्रत्येक भाग को चौघड़िया कहा जाता है। यह मुहूर्त निकालने का सबसे सरल तरीका है, इसे शीघ्र ही निकाला जा सकता है। सबसे अच्छी बात इसमें यह है की इसके फल भी बहुत सटीक होते हैं। इस तरह प्रत्येक दिन के आठ मूहुर्त और रात्रि के आठ मुहुर्त जाने जा सकते हैं। प्रत्येक सप्ताह में दिन-रात के चौघड़िया में 112 मुहूर्त हो सकते हैं।

किस चौघड़िया मुहुर्त का प्रयोग कब करें? (When to Use Which Chaughadia Muhurat)
उद्योग काल मूहुर्त के लिये बुरा समझा जाता है, अमृत को अच्छा, रोग को बुरा, लाभ को फिर अच्छा समझा जाता है, शुभ भी अच्छा समझा जाता है। चर को मध्यम माना जाता है तथा काल बुरे समय काल में आता है।

शुभ काल के मूहुर्त समय को अच्छे कामों के लिये लिया जाता है परन्तु जो काम शुभ हों तथा जिन्हें आरम्भ करना हो उन्हे बुरे समय काल में आरम्भ नहीं करना चाहिए। चर काल समय यात्रा आदि के लिये विशेष रुप से अच्छे समझे जाते हैं।

इन मूहुर्तों पर शुभ तिथि, नक्षत्र, करण व वार तथा दिन में बनने वाले अन्य योगों का भी प्रभाव पडता है। जैसे: सभी नक्षत्रों में से पुष्य नक्षत्र को ज्योतिष शास्त्र में सभी शुभ कामों के लिये बेहद शुभ माना जाता है। इस नक्षत्र के समय में अगर अमृत काल का समय भी हो तब तो सोने पे सुहागा हो जाता है।

चौघड़िया शहर के हिसाब से परिवर्तित होता रहता है क्योंकि इसकी गणना सूर्योदय के समय पर आधारित होती है।

चौघड़िया मुहूर्त (chaughadia Muhurta) निकालने के लिये चौघड़िया मुहूर्त चक्र (chaughadia Muhurta Chakra) का प्रयोग किया जाता है। जिससे सरलता से दिन-रात्रि के शुभ व अशुभ समय का आंकलन किया जा सकता है।

Day's Choghadiya

Time	Sunday	Monday	Tuesday	Wednesday	Thursday	Friday	Saturday
From 06.00 AM	Udveg-उद्वेग	Amrit-अमृत	Rog-रोग	Labh-लाभ	Shubh-शुभ	Chal-चल	Kaal-काल
From 07.30 AM	Chal-चल	Kaal-काल	Udveg-उद्वेग	Amrit-अमृत	Rog-रोग	Labh-लाभ	Shubh-शुभ
From 09.00 AM	Labh-लाभ	Shubh-शुभ	Chal-चल	Kaal-काल	Udveg-उद्वेग	Amrit-अमृत	Rog-रोग
From 10.30 AM	Amrit-अमृत	Rog-रोग	Labh-लाभ	Shubh-शुभ	Chal-चल	Kaal-काल	Udveg-उद्वेग
From 12.00 PM	Kaal-काल	Udveg-उद्वेग	Amrit-अमृत	Rog-रोग	Labh-लाभ	Shubh-शुभ	Chal-चल
From 01.30 PM	Shubh-शुभ	Chal-चल	Kaal-काल	Udveg-उद्वेग	Amrit-अमृत	Rog-रोग	Labh-लाभ
From 03.00 PM	Rog-रोग	Labh-लाभ	Shubh-शुभ	Chal-चल	Kaal-काल	Udveg-उद्वेग	Amrit-अमृत
From 04.30 PM	Udveg-उद्वेग	Amrit-अमृत	Rog-रोग	Labh-लाभ	Shubh-शुभ	Chal-च	